यीशु के परिवार की पीढ़ी से सीख लें – शांति पाएँ

आजकल, बहुत से लोग अपने परिवार के इतिहास और वंश के कारण डर के जीवन जी रहे हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि उनका वर्तमान जीवन या व्यवहार उनके पारिवारिक पृष्ठभूमि, उनकी वंशावली, या उनके पूर्वजों द्वारा प्रभावित हुआ है—और वे नहीं जानते कि इससे कैसे निपटें।

लेकिन सच्चाई यह है कि हम में से किसी की भी परिवार की वंशावली बिना समस्याओं के नहीं है। हमारे प्रभु यीशु मसीह स्वयं से शुरू होकर, बाइबल हमें रास्ता दिखाने के लिए लिखी गई है—ताकि हम निडर होकर बुराई की शक्तियों के सामने दृढ़ रह सकें और जीत सकें।

मत्ती के सुसमाचार की शुरुआत यीशु की वंशावली से होती है। इसका एक कारण था कि उनकी परिवार की कहानी सबसे पहले बताई गई—ईश्वर हमसे एक महत्वपूर्ण बात सिखाना चाहता था। बहुत से लोग उस सूची को देखकर सोच सकते हैं कि ईश्वर हमें दिखाना चाहता था कि यीशु एक सम्मानित और प्रतिष्ठित परिवार से थे। लेकिन ऐसा नहीं है। सच तो यह है कि उनमें से कई का कोई बड़ा सम्मान नहीं था।

मैं चाहता हूँ कि आप देखें कि यह परिवार कितना परेशान और उलझा हुआ था—इतना कि यदि ईश्वर पवित्रता के आधार पर न्याय करता, तो यीशु विश्व के उद्धारकर्ता के रूप में भी योग्य नहीं होते। उनका वंश केवल अच्छे लोगों से भरा नहीं था; वहाँ “वेश्याएं,”

यीशु के परिवार की पीढ़ी से सीख लें – शांति पाएँ

“व्यभिचारी,” और यहाँ तक कि “गैर-यहूदी” भी थे।

उदाहरण के लिए, राहब एक वेश्या थी—सच्ची वेश्या। फिर रूत थीं, जो विदेशी थीं, और यहूदी कानून के अनुसार यहूदी लोगों को उनसे विवाह करना सख्त मना था (एज़्रा 9:2), क्योंकि उन्हें अशुद्ध माना जाता था। फिर भी वह इस वंश में शामिल हैं। यदि यह पर्याप्त न हो, तो तामार भी थीं, जिन्होंने अपने ससुर को धोखा देकर पेरेज को जन्म दिया, जो व्यभिचार माना जाता था। फिर बथशेबा थीं, जो एक चोर और व्यभिचारी राजा दावीद की पत्नी थीं—और वह उसकी वैध पत्नियों में से नहीं थीं, फिर भी वे उस वंश को आगे बढ़ाने के लिए चुनी गईं जिससे मसीह आए। तथाकथित “शुद्ध” लोग पीछे छूट गए।

आइए पढ़ें:

मत्ती 1:1-17 (Hindi Bible)
1 यीशु मसीह की वंशावली की पुस्तक, दाऊद के पुत्र, अब्राहम
के पुत्र।
2 अब्राहम ने इसहाक को जन्म दिया, इसहाक ने याकूब को जन्म दिया, याकूब ने यहूदा और उसके भाइयों को जन्म दिया।
3 यहूदा ने तामार से पेरेज और सेराह को जन्म दिया, पेरेज ने हेस्रोन को जन्म दिया, हेस्रोन ने राम को जन्म दिया।
4 राम ने अमिनादाब को जन्म दिया, अमिनादाब ने नहशोन को जन्म दिया, नहशोन ने साल्मोन को जन्म दिया।

यीशु के परिवार की पीढ़ी से सीख लें – शांति पाएँ

5 साल्मोन ने राहब से बोअज को जन्म दिया, बोअज ने रूत से ओबेद को जन्म दिया, ओबेद ने यिस्सै को जन्म दिया।
6 यिस्सै ने राजा दाऊद को जन्म दिया। दाऊद ने उरियाह की पत्नी से सुलैमान को जन्म दिया।
7 सुलैमान ने रेहोबाम को जन्म दिया, रेहोबाम ने अबियाह को जन्म दिया, अबियाह ने आसा को जन्म दिया।
8 आसा ने योशाफात को जन्म दिया, योशाफात ने योराम को जन्म दिया, योराम ने उज़्ज़ियाह को जन्म दिया।
9 उज़्ज़ियाह ने योताम को जन्म दिया, योताम ने अहाज़ को जन्म दिया, अहाज़ ने हिज़कियाह को जन्म दिया।
10 हिज़कियाह ने मनश्शे को जन्म दिया, मनश्शे ने आमोन को जन्म दिया, आमोन ने योसियाह को जन्म दिया।
11 योसियाह ने जेकोन्या और उसके भाइयों को जन्म दिया, जब लोग बबुलोनियाई निर्वासन में थे।
12 निर्वासन के बाद, जेकोन्या ने शेअल्टीएल को जन्म दिया, शेअल्टीएल ने ज़ेरूब्बाबेल को जन्म दिया।
13 ज़ेरूब्बाबेल ने अबिउद को जन्म दिया, अबिउद ने एल्याकिम को जन्म दिया, एल्याकिम ने आजोर को जन्म दिया।
14 आजोर ने ज़ादोक को जन्म दिया, ज़ादोक ने आखिम को जन्म दिया, आखिम ने एलियूद को जन्म दिया।
15 एलियूद ने एलियाजर को जन्म दिया, एलियाजर ने मत्तान को जन्म दिया, मत्तान ने याकूब को जन्म दिया।
16 याकूब ने मरियम के पति योसेफ को जन्म दिया, जिनसे यीशु मसीह का जन्म हुआ।
17 तो, अब्राहम से लेकर दाऊद तक चौदह पीढ़ियाँ थीं, दाऊद से बबुलोनियाई निर्वासन तक चौदह पीढ़ियाँ, और निर्वासन से मसीह तक चौदह पीढ़ियाँ थीं।

इसलिए हमारे प्रभु यीशु मसीह का परिवार अपूर्णताओं से भरा था। कहा जा सकता है कि यह अन्य यहूदी परिवारों की तुलना में “शुद्ध” नहीं था। लेकिन वे वही हैं जिन्हें परमेश्वर ने सबसे अधिक पसंद किया, भले ही उनका परिवार भ्रष्ट था। वे उद्धारकर्ता हैं, जो लोगों को मुक्त करने, हर श्राप को तोड़ने और दुनिया में आशीर्वाद लाने के लिए आए।

यह हमें क्या सिखाता है?

डरिए मत। यह सच हो सकता है कि आपके परिवार का इतिहास पाप, वेश्याओं, मद्यपान करने वालों, विरासत में मिली बीमारियों, गरीबी और कमजोरी से भरा हो। शायद आप नहीं समझ पाते कि क्या हो रहा है, और आपकी पीढ़ी शापित लगती है। लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूँ: अपनी वंशावली की चिंता करना बंद करें, क्योंकि इस दुनिया में कोई भी “शुद्ध” विरासत के साथ नहीं आया। केवल मसीह को देखें—उन्होंने आपके लिए सब कुछ क्रूस पर पूरा किया। उनके पूर्ण किए हुए काम पर विश्वास करें।

जब आप उद्धार पाते हैं, तो आप में कोई श्राप नहीं रहता, चाहे आपका परिवार कितना भी भ्रष्ट क्यों न हो, चाहे उन्होंने जो भी आत्माएँ या श्राप आपको दिए हों। यह सब समाप्त हो गया है! इसका आपके ऊपर कोई अधिकार नहीं है, इसलिए इसे अनुमति न दें—यीशु पर विश्वास करें जिन्होंने आपको मुक्त किया है।

परिवार के श्रापों को तोड़ने के लिए मत भागिए। आप कितने श्राप तोड़ेंगे? आपके कितने पूर्वज हैं? आपको आदम तक वापस जाना होगा हर श्राप तोड़ने के लिए। इसके बजाय, यीशु पर विश्वास करके एक बार ही आध्यात्मिक रूप से उन्हें तोड़ दें, जिसने आपको मुक्त किया है।

परिवार की समस्याएँ हर किसी में होती हैं—यहाँ तक कि परमेश्वर के कुछ सेवकों में भी—बस अलग-अलग तरीकों से। लेकिन जो लोग मसीह पर विश्वास करते हैं, वे सभी श्रापों से मुक्त होते हैं। उनसे पूछिए कि उनका जीवन कैसा है, वे आपको बताएंगे।

प्रिय भाई या बहन, जब आप उद्धार पाते हैं, तो पुरानी बातें चली जाती हैं। सब कुछ नया हो जाता है। अब आपको जो करना है वह है यीशु को और जानना ताकि आप शांति पा सकें। पुरानी बातों को खोदते न रहें। यीशु के परिवार से सीखें।

ईश्वर आपको आशीर्वाद दे।

इस शुभ समाचार को दूसरों के साथ इस संदेश को साझा करके बांटें।

यीशु के परिवार की पीढ़ी से सीख लें – शांति पाएँ

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp